प्रवाल-भित्ति पारितंत्रों का पहला वैश्विक Red List आकलन: 96% 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त'

समाचार-संदर्भ: 22 अक्टूबर 2026 | प्रिलिम्स: IUCN Red List of Ecosystems, प्रवाल-भित्ति, Critically Endangered श्रेणी | मुख्य परीक्षा: GS-3 पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और समुद्री पारिस्थितिकी



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

IUCN की प्रेस-विज्ञप्ति (22 अक्टूबर 2026) के अनुसार Red List of Ecosystems के तहत पहली बार गर्म और उथले पानी के प्रवाल-भित्ति पारितंत्रों का वैश्विक आकलन जारी हुआ है। इसमें 127 उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय इकोरीजन और 188,362 वर्ग किलोमीटर भित्तियाँ शामिल हैं। IUCN के अनुसार आकलन में आए 96 प्रतिशत भित्ति पारितंत्र 2075 तक पतन के अत्यंत उच्च जोखिम के कारण 'Critically Endangered' (गंभीर रूप से संकटग्रस्त) श्रेणी में रखे गए हैं।

मुख्य तथ्य (IUCN के अनुसार)

नीचे की तालिका IUCN की प्रेस-विज्ञप्ति पर आधारित है।

विषय	IUCN के अनुसार
आकलन की घोषणा	22 अक्टूबर 2026; Red List of Ecosystems के तहत पहला वैश्विक प्रवाल-भित्ति आकलन
दायरा	

विषय	IUCN के अनुसार
	गर्म और उथले पानी की भित्तियाँ; 127 इकोरीजन; 188,362 वर्ग किमी भित्तियाँ
अनुमानों सहित परिणाम	96% Critically Endangered, 2075 तक पतन का अत्यंत उच्च जोखिम
केवल पिछले 50 वर्षों के प्रेक्षण पर	24% Critically Endangered
अपवाद	4 इकोरीजन Data Deficient; पश्चिमी गैलापागोस द्वीप 1982-83 के अल नीनो के बाद से Collapsed
सबसे बड़ी भित्तियाँ	ग्रेट बैरियर रीफ, कोरल ट्राएंगल, मेसोअमेरिकन बैरियर रीफ और लाल सागर की भित्तियाँ Critically Endangered
प्रवाल प्रजातियाँ	892 भित्ति-निर्माता प्रजातियों में 44% संकटग्रस्त

प्रजाति और पारितंत्र: अंतर

IUCN के अनुसार पारितंत्र का पतन तब माना जाता है जब उसकी परिभाषित विशेषताएँ खो जाएँ। प्रवाल-भित्ति में कठोर प्रवाल, जो भित्ति की जीवित नींव बनाते हैं, लगभग समाप्त हो जाते हैं और शैवाल, मलबा और स्पंज उनकी जगह ले लेते हैं। इससे भित्ति मछलियों, कछुओं और शार्क जैसे बड़े शिकारियों तक की खाद्य-शृंखला प्रभावित होती है।

साथ ही IUCN ने Red List of Threatened Species में 892 भित्ति-निर्माता प्रवाल प्रजातियों की स्थिति का नया आकलन किया, जिसमें 44 प्रतिशत संकटग्रस्त पाई गईं। IUCN के अनुसार दोनों आकलन एक-दूसरे के पूरक हैं: एक व्यक्तिगत प्रजातियों के खोने का जोखिम मापता है, दूसरा भित्तियों के कार्यशील पारितंत्र के रूप में खोने का जोखिम।

खतरे

IUCN के अनुसार जलवायु परिवर्तन से पैदा गर्मी का दबाव दुनिया भर में प्रवाल-भित्तियों के क्षय का सबसे सुसंगत कारण है। समुद्री ताप-तरंगें सामूहिक प्रवाल-विरंजन (ब्लीचिंग) पैदा करती हैं। आकलन में IPCC के 'मध्यम मार्ग' परिदृश्य का उपयोग हुआ है, जिसमें सदी के अंत तक वायुमंडलीय तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस वृद्धि मानी गई है।

पूर्वी एशिया, पश्चिमी हिंद महासागर, कैरिबियन और ब्राज़ील जैसे कई क्षेत्रों में पैरटफ़िश और ग्रूपर जैसी प्रमुख मछलियों का अतिदोहन एक बड़ा मौजूदा खतरा बताया गया है, जो 63 प्रतिशत प्रवाल-भित्ति पारितंत्रों को प्रभावित करता है। तटीय विकास, प्रदूषण, अति-पर्यटन, औद्योगिक विकास, जलकृषि, तेज़ तूफ़ान, मीठे पानी की बाढ़ और क्राउन-ऑफ़-थॉर्न्स स्टारफ़िश का प्रकोप भी बड़े कारणों में गिने गए हैं।

अभी भी अवसर

IUCN के अनुसार यदि केवल पिछले 50 वर्षों के प्रेक्षित बदलावों को लें और भविष्य के जलवायु-अनुमान छोड़ दें, तो 96 प्रतिशत की जगह 24 प्रतिशत भित्ति पारितंत्र Critically Endangered होते। पूर्वी एशिया में यह आँकड़ा 20 प्रतिशत और उत्तरी लाल सागर

में, जहाँ भित्तियों में असामान्य ऊष्मा-सहनशीलता विकसित हुई है, ताज़ा रुझान के आधार पर श्रेणी Vulnerable होती। IUCN इसे जलवायु कार्रवाई और स्थानीय संरक्षण के लिए बचा हुआ अवसर बताता है।

परीक्षा की दृष्टि से मुख्य बिंदु

- Red List of Ecosystems पारितंत्र के पतन का जोखिम मापती है; Red List of Threatened Species प्रजातियों के विलुप्त होने का। दोनों अलग हैं।
- 96 प्रतिशत का आँकड़ा भविष्य के समुद्री ताप-अनुमानों पर आधारित है; केवल पिछले 50 वर्षों के प्रेक्षण पर यह 24 प्रतिशत है।
- आकलन के लिए श्रेणी-शब्द Critically Endangered, Vulnerable, Data Deficient और Collapsed याद रखें।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. IUCN के प्रवाल-भित्ति पारितंत्रों के पहले वैश्विक आकलन की प्रेस-विज्ञप्ति के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह आकलन Red List of Ecosystems के तहत पारितंत्र के पतन के जोखिम को मापता है।
2. 96 प्रतिशत का आँकड़ा भविष्य के समुद्री ताप-अनुमानों को शामिल करने पर है; केवल पिछले 50 वर्षों के प्रेक्षण पर यह 24 प्रतिशत बताया गया है।
3. विज्ञप्ति के अनुसार ग्रेट बैरियर रीफ को Vulnerable श्रेणी में रखा गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)। कथन 1 और 2 विज्ञप्ति के अनुरूप हैं। कथन 3 ग़लत है, क्योंकि विज्ञप्ति के अनुसार ग्रेट बैरियर रीफ सहित सबसे बड़ी भित्तियाँ Critically Endangered हैं।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. IUCN ने इसी के साथ 892 भित्ति-निर्माता प्रवाल प्रजातियों का नया आकलन किया, जिसमें 44 प्रतिशत संकटग्रस्त पाई गईं।
2. IUCN के अनुसार प्रजाति-आकलन और पारितंत्र-आकलन एक ही जोखिम मापते हैं, इसलिए एक-दूसरे के पूरक नहीं हैं।
3. IUCN के अनुसार जलवायु परिवर्तन से पैदा ऊष्मा-दबाव प्रवाल-भित्ति क्षय का सबसे सुसंगत कारण है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)। कथन 1 और 3 विज्ञप्ति के अनुरूप हैं। कथन 2 ग़लत है, क्योंकि IUCN के अनुसार एक प्रजातियों के खोने का जोखिम मापता है और दूसरा भित्तियों के कार्यशील पारितंत्र के रूप में खोने का जोखिम; दोनों पूरक हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

'प्रवाल-भित्तियों के पतन का जोखिम जलवायु परिवर्तन के साथ स्थानीय दबावों से भी जुड़ा है।' IUCN के पहले वैश्विक आकलन के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए और संरक्षण के उपाय सुझाइए। (150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: IUCN के पहले वैश्विक प्रवाल-भित्ति पारितंत्र आकलन का संदर्भ देकर पारितंत्र के पतन और प्रजाति के विलुप्त होने के जोखिम का अंतर स्पष्ट कीजिए।

मुख्य भाग में: जलवायु परिवर्तन, समुद्री ताप-तरंगों और प्रवाल-विरंजन के साथ अतिदोहन, प्रदूषण, तटीय विकास और अति-पर्यटन जैसे स्थानीय दबाव समझाइए। भविष्य के ताप-अनुमानों सहित 96 प्रतिशत और केवल पिछले प्रेक्षणों पर 24 प्रतिशत वाले परिणामों का अंतर रखिए।

निष्कर्ष में: जलवायु कार्रवाई और स्थानीय संरक्षण के लिए बचे अवसर को रेखांकित कीजिए। 2075 तक पतन के जोखिम को वर्तमान में सभी भित्तियों के पतन का तथ्य न बताइए।

स्रोत और तथ्य-सीमा

- IUCN: Virtually all coral reef ecosystems face high risk of collapse in 50 years – प्रेस-विज्ञप्ति, 22 अक्टूबर 2026; मुख्य और प्राथमिक स्रोत।

सीमा: सभी तथ्य IUCN की प्रेस-विज्ञप्ति से हैं। आकलन का मूल तकनीकी पत्र यहाँ नहीं पढ़ा गया। 96 प्रतिशत का परिणाम भविष्य के ताप-अनुमानों पर आधारित है, इसलिए इसे वर्तमान स्थिति के रूप में न पढ़ें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: IUCN का आकलन प्रवाल प्रजातियों के जोखिम और पूरे भित्ति पारितंत्र के पतन के जोखिम को अलग बताता है।

प्रश्न: वैश्विक प्रवाल-भित्ति आकलन का दायरा क्या है?

यह गर्म और उथले पानी की भित्तियों का आकलन है। इसमें 127 इकोरीजन और 188,362 वर्ग किलोमीटर भित्तियाँ शामिल हैं।

प्रश्न: 96 प्रतिशत वाला निष्कर्ष क्या बताता है?

आकलन में आए 96 प्रतिशत भित्ति पारितंत्र Critically Endangered श्रेणी में रखे गए हैं। यह 2075 तक पतन के अत्यंत उच्च जोखिम का आकलन है।

प्रश्न: प्रजाति और पारितंत्र आकलन में क्या अंतर है?

प्रजाति का आकलन व्यक्तिगत प्रजातियों के खोने का जोखिम मापता है। पारितंत्र का आकलन भित्तियों के कार्यशील पारितंत्र के रूप में खोने का जोखिम मापता है।